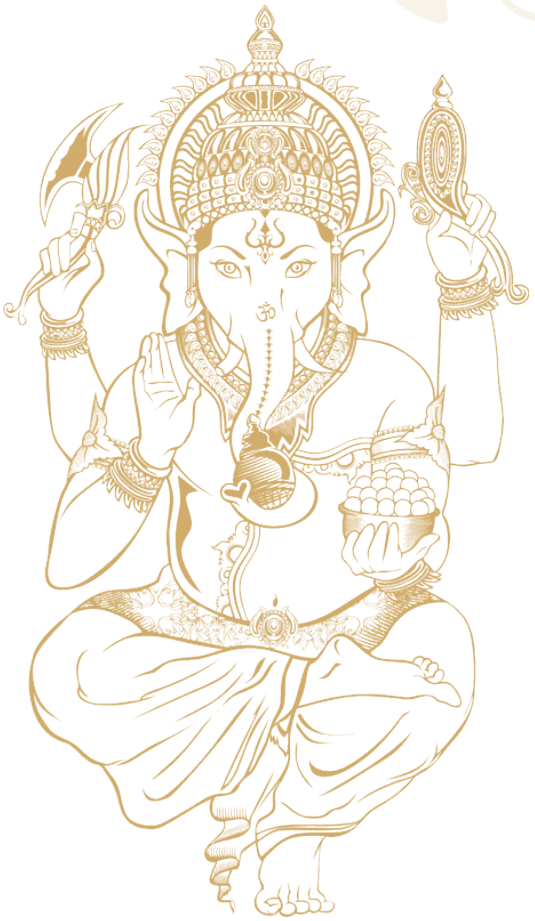

Govind Vidisha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121475203

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
12/12/1999	जन्म तिथि	02/03/2003
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 10:00:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 07:30:44	जन्म समय(घटी)	08:22:56 घटी
India	देश	India
Chamoli	स्थान	Chamoli
30:22:00 उत्तर	अक्षांश	30:22:00 उत्तर
79:19:00 पूर्व	रेखांश	79:19:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:44	स्थानिक संस्कार	-00:12:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:59:42	सूर्योदय	06:38:49
17:12:46	सूर्यास्त	18:11:36
23:51:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:50

विंशोत्तरी
चन्द्र 8वर्ष 6मा 29दि

राहु	
12/07/2015	
12/07/2033	
राहु	24/03/2018
गुरु	17/08/2020
शनि	24/06/2023
बुध	10/01/2026
केतु	29/01/2027
शुक्र	29/01/2030
सूर्य	23/12/2030
चन्द्र	23/06/2032
मंगल	12/07/2033

ग्रह	राशि	अंश
लग्न	मेष	25:39:05
सूर्य	कुंभ	17:16:32
चंद्र	कुंभ	06:39:55
मंगल	धनु	04:22:50
बुध	कुंभ	01:19:35
गुरु व	कर्क	15:50:23
शुक्र	मक	05:42:09
शनि	वृष	28:17:47
राहु व	वृष	09:28:30
केतु व	वृश्चि	09:28:30
हर्ष	कुंभ	05:36:58
नेप	मक	17:52:28
प्लूटो	वृश्चि	25:55:51

मक	09:08:35
वृश्चि	25:50:10
मक	11:53:28
मक	18:22:28
वृश्चि	07:39:53
मेष व	01:16:54
तुला	13:27:07
मेष व	17:18:08
कर्क	10:32:01
मक	10:32:01
मक	20:02:18
मक	08:40:19
वृश्चि	16:50:50

विंशोत्तरी
मंगल 0वर्ष 0मा 0दि

गुरु	
02/03/2021	
02/03/2037	
गुरु	20/04/2023
शनि	31/10/2025
बुध	06/02/2028
केतु	12/01/2029
शुक्र	13/09/2031
सूर्य	01/07/2032
चन्द्र	31/10/2033
मंगल	07/10/2034
राहु	02/03/2037

लग्न-चलित

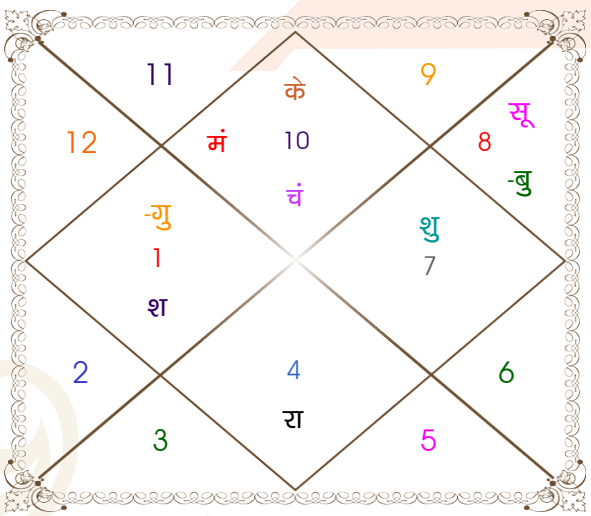

लग्न-चलित

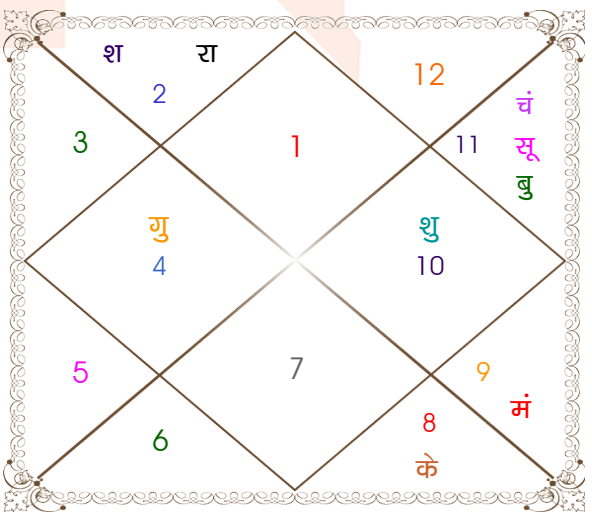

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	राक्षस	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ळवअपदक का वर्ग मार्जार है तथा टपकर्पी का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ळवअपदक और टपकर्पी का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

ळवअपदक मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल ळवअपदक कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळवअपदक कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो

जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र ळवअपदक कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

टपकर्पी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

ळवअपदक तथा टपकर्पी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।